3-04-20 समास

समास क्या है ?

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नए शब्द बनाने की क्रिया को समास कहते हैं |

1)गंगा का जल =गंगाजल

2)चक्रधर = चक्र को धारण करनेवाला (विष्णु)

समस्त विग्रह क्या है ?

जब समस्त पदों को अलग- अलग किया जाता हैं तब उसे समास विग्रह कहते हैं |

उदा : 1) भरपेट = पेट भर के

2) प्राणप्रिय = प्राणों के समान प्रिय

3) तिरंगा = तीन रंगों का समाहार

4) राम-लक्ष्मण = राम और लक्ष्मण

संक्षेप में

- समास केलिए कम - से - कम दो पद होने चाहिए | पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तर पद कहते हैं|

- समास होने पर दोनों या अन्य अधिक पद मिलकर एक संक्षिप्त (छोटा) रूप धारण कर लेते हैं|
- समास प्रक्रिया(PROCESS)में बीच की विभक्तियों (कारक)का लोप(DISAPPEAR) हो जाता है|

  उदाहरण- 1.हाथ के लिए कड़ी = हथकड़ी;

  2.कमल के समान नयन =कमलनयन;

  3.धूप और दीप =धूपदीप
- समस्त पद= पूरा पद;समास विग्रह= समस्त पद को अलग करना |

समास के प्रकार

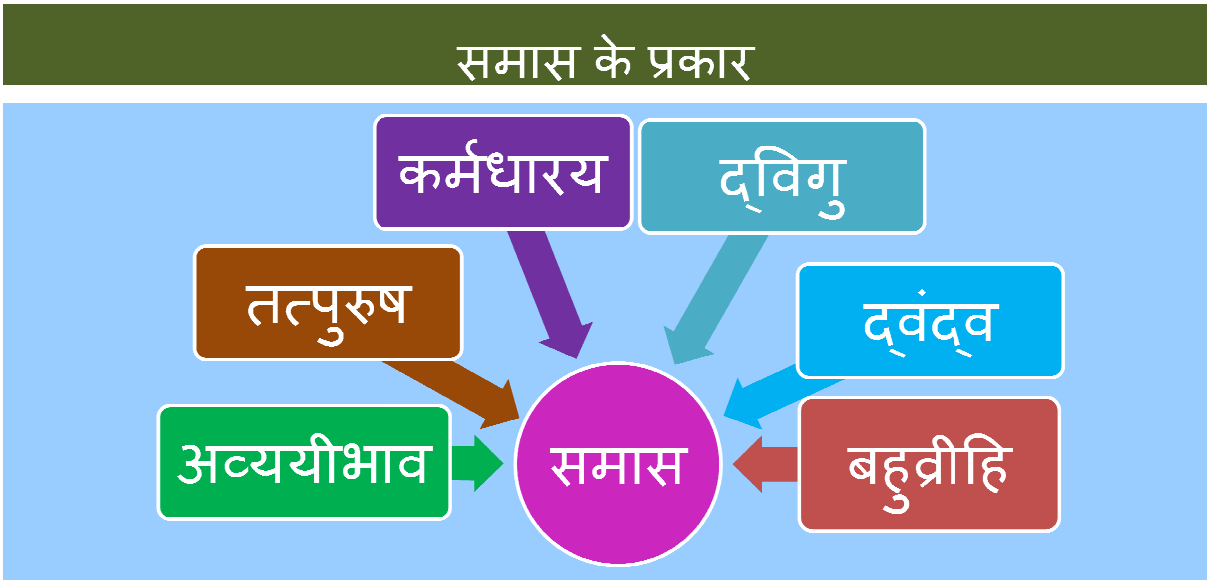

1.अव्ययीभाव समास

- जिस समास में पहला पद अव्यय हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं |
- इसका पहला पद प्रधान होता है |
- इस प्रक्रिया से बना समस्तपद भी अव्यय की भाँति काम करता है |
- उदा: 1) प्रति + दिन = प्रतिदिन = दिन-दिन
  2) आसमुद्र = समुद्र तक

2.तत्पुरुष समास

- इसमें उत्तरपद प्रधान होता है तथा पूर्वपद गौण (unimportant) रहता है|
- उत्तरपद- विशेष्य(संज्ञा) ;पूर्वपद-विशेषण |
- उदाहरण-1)रसोई के लिए घर =रसोईघर;रसोई-विशेष्य,घर-विशेषण

2)लखपति =लाखों का पति (संबंध तत्पुरुष समास)

3)भुखमरा= भूख से मरा (करण तत्पुरुष

- कारकों के आधार पर इनके भेद होते हैं-कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण-तत्पुरुष समास|

- **नञ् तत्पुरुष समास** -जिस समस्त पद में पहला पद नकारात्मक (अभावात्मक) हो, उसे नञ् तत्पुरुष समास कहते हैं|

उदाहरण- 1)अन्याय= न न्याय;
2)अनंत = न अंत;
3)अनर्थ= न अर्थ

3.कर्मधारय समास

- इसमें पहला पद विशेषण /उपमान और दूसरा पद विशेष्य/उपमेय होता है|

उदाहरण - विशेषण-विशेष्य

1)अंधकूप=अंधा है जो कूप
2)लालटोपी =लाल है जो टोपी
3)रेलगाड़ी=रेल(पटरी) पर चलनेवाली गाड़ी

उपमान - उपमेय

1)स्त्रीरत्न=स्त्री रूपी रत्न
2)कमलनयन =कमल के समान नयन

4.द्विगु समास

- जहाँ समस्तपद का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है,वहाँ द्विगु समास होता है|

उदाहरण- 1) पंजाब=पाँच आबों का समाहार

2) त्रिकोण=तीन कोनों का समाहार

5.द्वंद्व समास

- जिस समस्त पद में दोनों पद प्रधान हों,वहाँ द्वंद्व समास होता है|

उदाहरण- 1) रात-दिन=रात और दिन

2) धूप-दीप=धूप और दीप

6.बहुव्रीहि समास

- जहाँ पहला पद और दूसरा पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं,वहाँ बहुव्रीहि समास होता है|

उदाहरण :

1)नीलकंठ=नीला है कंठ जिसका (शिव)

2)लंबोदर=लंबे उदर वाला (गणेश)

****